चीनी उद्योग में घोटाला

834. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :**
श्री एन० के० शेजवलकर :
श्री रामेश्वर पाटीदार :

क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 24 अगस्त, 1977 के 'हिन्दुस्तान' में प्रकाशित "चीनी उद्योग में करोड़ो रुपयों का घोटाला" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है, और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार गोयल) (क) और (ख). जी हां। भारतीय चीनी उद्योग निर्यात निगम पूर्ण रूप से एक गैर-सरकारी कम्पनी है जिसे चीनी उद्योग ने मूलतः निर्यात के लिये चीनी प्राप्त करने का कार्य सभालने के लिये स्थापित किया था। बाद में जब अप्रैल, 1974 में चीनी का निर्यात राज्य व्यापार निगम की मार्फत मार्गीकृत किया गया तो भी यह कम्पनी राज्य व्यापार निगम के लिये हैंडलिंग एजेंट के रूप में कार्य करती रही। यह एक स्वतंत्र कम्पनी है तथा इसके बोर्ड में भारतीय चीनी मिल्स एसोसिएशन तथा सहकारी चीनी फैक्टरी संघ के प्रतिनिधि हैं। राज्य व्यापार निगम का कम्पनी के आन्तरिक मामलों में कोई नियंत्रण अथवा हस्तक्षेप नहीं है।

Export of tea to Foreign Countries

838. SHRI JENA BAIRAGI: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the total quantity of tea that is being exported by India;

(b) how much of it is being exported to USSR, the Middle East and EEC;

(c) whether a bulk of the export is made to USSR at a cheaper rate;

(d) whether the tea exported to the above mentioned countries is being re-exported at a higher rate to the European Economic Community; and

(e) if so, the reasons for not exporting it directly and earning more foreign exchange?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL): (a) The total quantity of tea exported from India during the last three years is given below.

Year	Quantity (In m.kgs.)
1974-75	225·06
1975-76	211·40
1976-77	242·42

(b) The total amount of tea exported to USSR, Middle East and EEC countries as a percentage of the total quantity of tea exported from India during the year 1974-75 to 1976-77 is as follows:

U.S.S.R.	21·36%
Middle East (WANA countries)	19·70%
E.E.C.	40·09%

(c) No, Sir.

(d) About 28 per cent of the tea imported by USSR is re-exported mainly to the Socialist countries in Europe. The names of the countries of origin of these teas and the prices at which these teas are re-exported are not available. Re-export of tea by importing countries is a feature of this trade. Other countries which also re-export tea on a sizeable scale are U.K., Netherlands, Canada and on a smaller scale Ireland, France and West Germany. Government is, however, not aware of any sizeable re-export of Indian tea by USSR to EEC or to other free market countries.

(e) We are already exporting tea to about 80 countries of the world including the convertible currency countries like the USA, Canada, UK and some European countries. A continuous effort is also being made to further increase our exports to these countries. Export of tea to USSR is subject to a ceiling fixed every year, having regard to the total availability of tea for export. This does not, therefore, affect our anticipated earnings of free foreign exchange from tea exports.

तस्करी रोकने के लिये सीमावर्ती क्षेत्रों में आधुनिक उपकरण लगाना।

839. श्री हरगोविन्द वर्मा : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी रोकने हेतु आधुनिक उपकरण लगाने का निर्णय किया है; और

(ख) यदि हां, तो कब से ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) और (ख). जी हां, तस्करी की रोकथाम के उद्देश्य से, 1976 में पंजाब राज्य में भारत-पाक सीमा के साथ-साथ, लगभग 160 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हुए अमृतसर सीमाशुल्क प्रभाग में एक वेतार संचार का जाल बिछा दिया गया है। इसी प्रकार का वेतार संचार जाल भारत-नेपाल सीमा के लिए भी मंजूर किया गया है और इसे जल्दी ही स्थापित किया जायगा। तस्करी के गुप्त क्रियाकलापों का पता लगाने को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से, महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कार्यालयों को "नाइट साइट" यंत्र वितरित किए गए थे। प्रमुख हवाई अड्डों में छोटे पार्सलों की जिनमें निषिद्ध माल होने का सन्देह हो, जांच करने के लिए फलूरोस्कोपी यंत्र और स्वर्ण की तस्करी का पता लगाने के लिए "फिस्कर" यंत्र लगाये गये है। दिल्ली, बम्बई और मद्रास हवाई अड्डों के लिए बन्द परिपथ (क्लोज सर्किट) टेलिविजन सेटों की मंजूरी दी गई है। प्रमुख हवाई अड्डों पर इलेक्ट्रानिक दरवाजे की तरह के धातु-संसूचक (मैटल डिटेक्टर) लगाने के लिए भी कदम उठाये जा रहे हैं।

Public Sector Industries established in Marathwada District (Maharashtra)

840. SHRI GANGADHER APPA BURANDE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the number of public sector industries established in Marathwada District of Maharashtra;

(b) the number of employed persons in those industries; and

(c) if there is no public sector industry in Marathwada District (Maharashtra), the reasons therefor?

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M PATEL): (a) and (b). The following two Central Public Sector Units are located in Marathwada District of Maharashtra:

(i) Aurangabad Textile Mills and

(ii) Nanded Textile Mills.